of (he Chief Minister, I want to draw the attention of the House and of the Home Minister to another statement where she says that if the Centre does not implement the Award immediately, the unity and integrity of the country will be in danger. Actually she says. Madam, that this will go against the unity and integrity of the country. I think, this is a veiled kind of threat. This is a veiled threat to the Centre that she has some kind of secessionist views in her mind(Interruptions)....

SHRI G. SWAMINATHAN (Tamil Nadu): She only said that Karnataka has to give water...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I want to call upon the Home Minister to find cut...

SHRI G. SWAMINATHAN: ...otherwise there will be a fight between one State and another

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: ...if he has any information of any move by State of Tamil Nadu to secede from the Indian Union because this is very *dangerous*. (Interruptions)...

SHRI G. SWAMINATHAN: It is unfair to say that she has got something in her mind...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Already, Madam, the Chief Minister had gone on fast and the entire State was at a standstill. So many people suffered. Little children suffered. The people of Tamil Nadu suffered. Today, Madam, on a most important day, from the ramparts of the Fort St. George, she has gone to the extent of threatening us with seces sion. I think, it is shocking (Interruptions).....

SHRI G. SWAMINATHAN: The Government of India had announced. The hon. Minister of Water Resources came there. They made promises..

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, to talk about unity and integrity of the country" in this context is a very dangerous trend...

SHRI G. SWAMINATHAN: She wanted the promises to be kept. That is all.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I want to know what the Home Minister is going to say about it and whether he has any information about this.

THE MNISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): I can well appreciate the strong feelings that hon. Chief Ministers might be having on certain issues. But we will certainly ascertain whether she has gone to the extent of saying that this is going to endanger the unity and integrity of this country. Certainly we would like to ascertain the facts. Then, whatever action is called for, we will look into it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Mohammed Afzal.

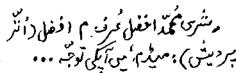
SHRI MURASOLI MARAN (Tamil Nadu): Action for setting the Cauvery water dispute or action for uttering those words? (*Interruptions*) How about Cauvery waters? What is your reaction? How about implementing the interim award? What is your reaction? (*Interruptions*)

SHRI S. B. CHAVAN: That does not justify giving this kind of a threat, if at all she has given

it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Afzal.

श्री मोष्ठम्मद् अफजन उर्फ मीम अफजन (उत्तर प्रदेश): मैडम, मैं आपकी तथज्जन.....



उपसमापित: I have to make an announcement regarding that. आग अपना बोल क्षेत्रियंगा । मगर राजेश पायलट जी इस सिलसिले में, जभ्मू के कर में 5.30 करें एक सोओ-मोटो स्टेटमेंट भी करने वाले हैं।

KILLING OF THE INNOCENT HINDUS BY MILITANTS IN DODA

श्री मोंडम्मद् अफजल उर्फ मीम अफजल: मैडम, मैं शुक्रगुजार हूं। मैंडम, जो वाक्या जम्मू के अंदर हुआ है मैं उसकी सकत अल्फाज में मज्जमत करता हूं। 14 तारीख को में में अम्हरिया योंमे आजारी के सिर्फ एक दिन पहले अम्मू से जाने अली एक बस में से डोडा से कोई सात किलोमीटर किस्तवार में, कुछ लोगों को उतारा गया, औरतों और बच्चों को उतारा गया और एक खास मखसूस मजहब से ताल्लुक रखने वाले लोगों को उतारा गया और उस बस को 6 मिलिटेट या 6 नकाबपोशों ने कुछ किलोमीटर आगे ले जाकर इन तमाम लोगों को मार दिया। मैंडम, ये तमाम के तमाम लोग हिन्द थे और

बेगुनाड थे, उनका कोई कसूर नहीं था । उन पर जिस तरह से यह जूल्म किया गया उससे 14 लोग उसी वक्त मारे गये और एक सादमी अस्पताल में जाकर हलाक हो गया । मैडम, उस दिन के अखबार में सम्बर रूपी है जो पीठ टीठ आईठ की तरफ से जारी की गयी थी कि इस वक्त जम्भ-कश्मीर के अंदर जो गतिविधियां चल रही है, उसके नतीजे में डिन्दुस्तान और पाकिस्तान की जंग के दौरान जितने लोग मारे गये, टोटली, उससे ज्यादा लोग उस्मी तक जम्मू और कश्मीर में मारे जा चुके हैं, जिनकी तादाद 6 हजार के करीब है । 3545 मकान, 1028 दुकानें, 135 क्रिजेज, 235 स्कूल और 1123 सरकारी बिरिडंगें जो हैं वे जलकर खाक की जा चुकी हैं । मैडम, मैं सापकी तक्रकड उस मसले की तरफ दिलाना चाडता हूं, जो नया आक्रमा हुँआ है । कुछ लोग जो वहां पर हस्लाम के नाम पर तहरीक चला रहे हैं इस मुल्क से कश्मीर को उप्लग करने की, मैं उनकी यह बात कहना चाहता हूं, हालांकि तीन तंज़ीमों हिज़बूरत मुजाहिदीन, जम्मु-कश्मीर लिबरेशन फ्रांट और अलजहाद ने, इन दीनों ने इस वांकपे की मज्जमत की है और इसके इलावा भी अम्मू-कश्मीर की दूसरी बद्दत सी तज़ीमें ऐसी है जो इस्लाम के नाम पर कश्मीर को अलग करने की बाद करती है। मैं उन तंज़ीयों से या जिसके लिए वो लोग जिम्मेदार है, सपक्षा तो यह जाता है शायद उनका ताल्लुक उन्हीं लोगों से है, मैं उन्हें यह बताना चाहता हूं, जो काम उन्होंने किया है, जिस तरह से बसों से उतार कर बेगुलाड लोगों को मारा है, यह इस्लाम के नाम पर काम करना, इस्लाम को बदनाम करना मुतारादिक है । यह एटी इस्लामिक एक्टीविटी है और इसको कोई शख्य बर्दाश्त नहीं करेगा । इम इसकी सस्त से सस्त अरुग्धात में मन्त्रमह करते हैं। और हकुमत से मुतालबा करने हैं कि इन लोगों को पक्डने की पूरी कोशिश की जाए । इन बेगुनाह लोगों को ओ एक लाख का मुखाक्क़ा दिया गया है, मैं डिमाँड करता हूं कि पांच लाख रूपये मुखायज़ा दिया जाए । अगर इस तरह से किसी भी बेगुनाड को मारा जाए जिसका कोई ठाल्लुक किसी खराब एक्टीविटी से नहीं है, एक बेगनाह मसाफिर उसका कोई ताल्लुक किसी एक्टीविटी से नहीं है । जम्मू-कश्मीर के अन्दर बेगुनाह लोगों के मारे जाने की तादाद बहुत ज्यादा है : जो मिलिटेरी के लोग मारे जाते हैं, मेरी हमदर्दी उनके ताल्लुक से भी है । जो लोग मिलिटेंसी के नाम पर मारे जाते हैं, मेरी हमदर्दी उनके साथ भी है । मैडम, मेरे पास एक किताब थी । मैं चंद रोज से सोच रहा था कि इस मसले को गडां पर डाऊस में उठाऊंगा । मैं आज उन लामलिंडाज़ मुजाहिदीन को यह बात कहना चाहता है आज मेरे हाथ उन्होंने काट दिये हैं । मैं यहां पर आवात उठाना चाहता था । इसके अन्दर दिया गया है कि किस तरह से कश्मीर में बेगुनाह कश्मीरियों को कुछ मिलिटेंट आर्गेनाइज़ेशंस ने मारा । मैं एतराफ करता है, आज के इस वाक्ये के बाद मेरे डाथ कट गये, में अब इसे उठाने के लायक नहीं रहा ! मैं यहां पर इसे किस मंड से उठाऊं जब बेगुलाइ लोगों को इस तरहसे मारा जाता है । इसलिएं मैं उन लोगों से कहता है कि अगर यह काम वह इस्लाम के नाम पर कर रहे हैं तो इस्लाम को वो बदनाम न करें । अगर वो यह काम मुसलमान होने के नाम पर कर रहे हैं ते हिन्दुस्तान के 20 करोड़ मुसलमानों के चेहरे पर कालिख मलने की कोशीश न करें। इम किसी भी झलत में इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं इन अल्फाज़ के साथ उन तमाम परिवारों के साथ अपने दुख का पूरा इज़ड़ार करता हूं और इक़मत से कहता हूं कि न सिर्फ वह स्टेटमेंट दे बल्कि इसकी अच्छी तरह से जानकारी करें और जो लोग इसके लिए जिम्मेवार है उनको सस्त्र से सख्त सजा दी जाए।

الما مارسے گئے۔ ٹوٹلی۔ اس سے زیادہ لوگ ۔ ابی میں مارسے جاچکے ۔ ابی جن کی تعداد حجد مہزار کے قریب ہے۔ بین ہزار ابھا تیس دکا نیں ۔ ابک سوئیٹیس کے بیویئر۔ دوسوئیٹیس اسکول اورا کی ہزار کی بیار کا کی بیار میں میں جو بیں وہ جلاکوال کی بیار کی توجہ اس کی جاچکی ہیں۔ مبید م ۔ مبیل آپ کی توجہ اس مسئے کی طرف دلانا چاہتا ہموں جو نیا واقعہ مسئے کی طرف دلانا چاہتا ہموں جو نیا واقعہ مسئے کی طرف دلانا چاہتا ہموں جو نیا واقعہ

ہواہے ۔

کچے ہوگ جو وہاں پر اسلام کے نام
برتحریک چلارہ بہ ہیں اس ملک سے
کہنا چاہتا ہوں ۔ حالانکہ بین انکویہ بات
حزب المجاہدین ، جموں شمیر برشن فرنٹ
اور الجہا دنے ۔ ان بینوں نے اس واقعہ
کی مذمّت کی ہے ۔ اور اس کے علاوہ بھی
می مذمّت کی ہے ۔ اور اس کے علاوہ بھی
جموں شمیر کی دوسری بہت سی نظیموں
السک کرنے کی بات کرتی ہیں۔ میں ان
السک کرنے کی بات کرتی ہیں۔ میں ان
السک کرنے کی بات کرتی ہیں۔ میں ان
ہیں سمحیاجا تا ہے کہ شاید ان کا تعلق انہی
ہوں سے ہے ۔ میں انہیں یہ بتانا چاہتا
ہوں۔ جو کام المفوں نے کیا ہے چیس طرح
موں سے ان ارکے ہے گیا ہ دوگوں کو

ماراً ہے ۔ یہ اسلام سے نام برکام کمزا۔ اسلام کو بدنام کرنے کے مترادف سے -يراينتي اسلامك الكيثي و في بيع - اور اس كوكونى شخص برواشت نهير كرسے كارہم اس كى سخت سے سخت الفاظ میں مذمرت كرتے ہیں اور حکومت سے مطالب کرتے ہیں کہ ان لوگوں کو سیرٹ نے کی پوری کوست ش کی ہے۔ ال بيے كناه لوگوں كوحوا بك لاكھ كامعياوه بد دياكليد من دماندكر تابول كمايخ لاكه روسیے کامعا وصد دیاجائے۔اگر اس طرح سے تسى بھى سے گناہ كو مارا جائے ۔ حبس كا كو تئ تعلق كسى خراب الكي وي مين بي يه -ابك بي كناه مسافراس كاكونى تعلق كسى ایکی وفی سے نہیں ہے جبوں کشمیر کے اندریے گناہ لوگوں کے مارے جانے کی تعی اور بہت زیا دہ ہے۔ جوملٹری کے نوک مارے جاتنے بل ميرى بمدردى كاتعلق ان لوكوں سے بھی ہے۔ جولوگ ملینس کے نام میر مار سے جاتے ہیں میری ہمدردی اُن کے ساتھ بھی ہے۔ میڈم میرسے باس ایک تھی میں جندروز سے سوچ ر با تھاکہ اس سکے کو بیہاں پر باؤں مين المقاول كا مين آج الن نام نها د عابدين كويربات كمناج ابتنابون كماج مبرس إلقه الفوں نے کاٹ دیتے ہیں۔ ہیں پہاں ہر آوازاتفانا جابتا تفا -اس کے اندر مارا میں اعتراف کم تاہوں ہے جے اس سخت سمزا دی جائیے

मोलाना ओझेदुक्ता खान आज़मी (उत्तर प्रदेश): मेडम, यह बहुत गम्भीर मसला है (क्यवचान) सिर्फ एक मिनट (क्यवधान) मैं एक बढ़ी श्रहम बात कह रहा हूं (क्यवधान)।

مولانا عبیدالتُرخان اعظی : میرام - یه بهرت گلههیرمسکله سے - . . در مداخلت. SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, he wants to associate.

उपस्पायति: आप एक भिनट बैठीये । I announced that the Minister is going to make a statement. After my announcement, if you relinquish your right of clarifications, I shall permit you now, and if you do not, I will permit him when the statement is made, not now.

मौलाना ओन्नेदुरुला स्नान आज़मी: मेडम, सिर्फ एक इन्सानी जज्जा है, मैं यह शर्ज करना चाहता है कि 14 उपस्त को टेरिस्टो ने जान बुझकर डिन्डुओं को अलग किया (ज्यवधान) 14 अगस्त को उन्होंने अलग कर के धर्म के नाम पर गोलियां मारी । जैसे कि भाई कह रहे हैं, ठीक है यह पहली मर्तवा हुआ भगर यह पहली मर्तमा जिस तरह चिनौनी नफरत की बुनियाद रखी गई है, इससे मुल्क में मोडब्बत की बुनियादें हिल जाएंगी और इन्सानियत का दबदबा खत्म हो जाएगा । 14 समस्त को इस सरह से जलग कर के हिन्दुओं को मारने का मतलब क्या है । 14 अगस्त प्रकिस्तान की मौमे आज़ादी है और प्रकिस्तान की यौमे आज़ादी पर पाकिस्तान के साथ इस मुक्क के साथ गहारी करने वाले कुछ गहारों ने यह मेसेज दिया है कि ईम डिन्दुस्तान की इन्सानियत को अपनी आजादी के नाम पर गुलाम बनाना चाहते है और आज़ादी के दिन हिन्दुस्तान के इन्हानों को हम तबाह करना चाहते हैं । हिन्दू-मुस्लिम सद्भावना को खत्म कर के पाकिस्तान जो कुछ कर, रहा है, यह सीची कार्यवाही पाकिस्तान के जानिय से हुई है। पाकिस्तान के होग इस तरह का काम कर के इस मुक्क में रहने वाले इन्सानों को एक इसरे से अलगं कर के इन्सानियत को तबाह करना चाहते है जिसकी मैं सक्त मज्ज़मत करता हूं और इंस्लाम के नाम पर अगर यह रख कुछ डोता है, इस्लाम इस तरह की कोई इजाज़त नहीं देता है। इन बदमाओं पर, इन गहारों पर जबरदस्त तरीके से न सिर्फ यह कि पानंदी लगनी चाहिये, गवर्नमेंट जितनी ताकत के साथ इनको कुचल सकती हो, कुचल देना चाहिये इसलिए कि नफरत की इस आग से हमारे मुहक की सारी सदभावना गारद हो सकती है । उन तमाम खानदानों को हम खेराजेशकीदर पेश करते हैं जिन खानदानों के मासूम इन्सान मार दिये गये, आज हमारा पूरा मुल्क इन्सानियत के नाम पर गमोतालम की तस्वीर अन कर रह

مولاناعبيدالله خال اعلى: ميدم - صرف ايك انسانى جذب ب مين يرع صن محرنا جاستا

صرف ایک مرنبط « مداخلت » میں ایک بڑی اہم بات کررباہوں - … «مداخلت»...

^{† []}Transliteration in Arabic Script.

^{†[]} Transliteration in Arabic Script.

یوم آزادی ہے۔ ا *دریاکت ن کی یوم آز*ادی بھ مذمت كرتا ہوں اوراسلام كے نام ہر اجازت نهي ديياسه - ان بدمعاشوں ير ان

غدّادوں پر ذہر دست طریقے سے مذہر ف یہ کہ پابندی مکنی چاہئے گو دخسن جنی طاقت کے ساتھ ان کو کچل مشکق ہو۔ کچل دینا چاہئے کہ مفرت کی اس آگ سے ہمارے ملک کی سادی سد بھائ نا غارت ہوسکتی ہے ۔ ان تمام فائدائو کوہم فراج محقیدت پیش کرتے ہیں جن خاندائوں کے معصوم انسان مار دینے گئے ہیں۔ آج ہمادا ملک ملک انسانیت کے نام پرغم والم کی تھویے بن کورہ گیا ہے ۔

उपसभापति : शास्त्री जी ।

त्री त्रिच्यु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश): माननीया, मैं अपका आपारी है (स्वत्रधान)।

DR. JINENDRA KUMAR JAIN (Uttar Pradesh): I want to associate.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have called Shastriji. You can ask for clarifications after the statement is made. You can give your name for clarifications.

श्री. मोहम्मद श्रालीलुर रहमान (आन्त्र एदेश): मेडम, मोहम्मद अफजल साहब ने जो कुछ कहा है, मैं भी उनके साथ अपने आप को एस्सोसियेट करता हूं । इस्ताम के नाम पर जो यह आकया हुआ है यह ईतेहाई गलत वाक्या है, इस्लाम इस किस्म की ताल्डैम किसी को भी नहीं देता । मैं हकूमते हिन्द से यह देरख्वास्त करता हूं कि इस वाकये के जिम्मेदार लोगों को सस्त से सस्त सजा दी जाए । मैं इस वाकये की भरपूर मज्जमत करता है।

شری مخترخلیل اترحن: میدی محدانصندل صاحب نے جو کچھ کہاہے۔ میں بھی اُن کے ساتھ اپنے آہر کو ایسوسی ایٹ کرتا ہوں۔ اسلام سے نام پرجویہ واقعہ ہواسے یہ انتہائی غلط واقعہ ہو اسے میں تعلیم کسی کھی نہیں دیتا ہے۔ اسلام اس قسم کی تعلیم کسی کھی نہیں دیتا ہے۔ میں حکومیت بہندسے یہ

^{†[}] Transliteration in Arabic Script.

درخواست كرتابهول كهاس واقعه كمے وقردار *توگوں کو سخت سے سخت سز*ا د*ی جائے۔* بیں اِس واقعہ کی تھر بچر مرتبہت ک_ہ تا ہوں ۔

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: I am selectively excluded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: exclusion. If you want to speak, if you want to associate, you can associate yourself with it. Like this, many hands were raised.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: I needed your permission. I won't get up without your permission.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. You don't let Shri Shastri speak. You speak.

RE. POSTER EXHIBITION BY "SAHMAT"

IN AYODHYA CONTAINING OBJEC-TIONABIJ: COMMENTS ABOUT RAM AND SITA

महोदया. मैं आपका बहुत आभारी हुं कि आपने एक बहुत ही कि "सडमत" की जिस प्रदर्शनी के कारण फैजाबाद में इतनः बहा गर्मीर प्रथन पर इस सदन का ध्यान आकृष्ट करने का अवसर रोष हुआ उसमें कांग्रेस के—इंका के सब सदस्य सहमत है, आप मुझे दिया । आप इस बात को जानती होगी कि सदन में दो बार अगर इस अख्यांबार को पढ़े लें खाप देखेंगे कि फैजाब्दर "सहसत" का भसला उठाया जा चुका है । एक बार माननीय श्री दिग्विजय सिंड जी ने उठाया,एक बार माननीय सरला माडेश्वरी जी ने उठाया और उसमें यह विवाद हुआ दा कि क्यों ऐसा दीजिए । हुआ । मेरे डाय में "जनसत्ता" का क्षंक है जो दिल्ली से प्रकाशित हुआ है 15 जगस्त को । उसमें यह बताया गया है कि "सहमह" ने जे वहां पोस्टर प्रदर्शनी लगायी थी उस प्रदर्शनी में यह बताया गया कि सीठा शम की बहिन है । यह बताया गया कि (ह्यक्रधान) श्रीराम रावण के पुत्र हैं . . . (ठ्यवधान) . . . आप देखिये ।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): On a point of order, Madam ... (Interruptions)

भी विष्णु काम्स शास्त्री : मुझे बोलने क्यों नहीं देते हैं . . . (ञ्यवद्याम) , . . यह शर्मनाक भात है (व्यवधान). . .

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I am on a point of .order (Interruptions)

उपसमापति: आप बैठिए Mr, Jaipal Reddy, please sit down. Please take your seat. (Interruptions) Mr. Mathur, please sit down. (Interruptions) Permission has been granted to him. Let him speak. (Interruptions)

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Does it mean he can say anything"!

THE DEPUTY CHAIRMAN: You can give your reply. I am not allowing.

एक माननीय सदस्य : पुलिस इंक्कायरी कराइये . . . (व्यवधान)

भ्री विच्या कान्त शास्त्री : अगर आप मुझे बोलने की इजाअत देती हैं और ये ...(इयाच्छान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I permitted him to speak. I am permitting it. I will allow Mr. Jaipal Reddy to speak.

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : . . . (त्र्यवद्यान) तो सदन क्ल नहीं सकेंगा इसके बाद . . . (ठ्यावाधान)

उपसमापति: उनको भोलने वीजिए। फिर आप मेलिए।

भी विष्णु कान्त शास्त्री : मैं आपके सामने कुछ तथ्य श्री क्रिच्यु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति रखना चाडता हूं । मैं आपको और इस सदन को बताना चाडता है . (ध्यक्षधान)

क्षी कैलाश मारायण सारंग (मध्य प्रदेश): बोलने

भ्री विष्णु कान्त शास्त्री: जिले के कांग्रेस के अध्यक्ष ने . . .(ड्यब्रधान)

एक माननीय सदस्य: सूनने का साइस रखो . . .

श्री एस॰ एस॰ अहलुजालिया (मिहार): . . . एक सदस्य कोई सवाल उठा रहे हैं उसको इस तरह से घमका रहे हैं (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: वहां इक्कायरी करें ...(इयवधान)

भी एस॰ एस॰ अहलुवालिया : यह पूरी वार्टी जो है बाहर ते धमकाती है लोगों को कोई काम नहीं करने देती है और क्या घमका रही है . . . (ज्यवच्यान) बैठ जाओ, यह * नहीं चलेगी यहां पर . . . (उग्रवधान)

श्री कैवाशं नारायण सारंग : राम का अधमान नहीं हो सकता . . . (ज्यज्ञञ्चाम)

(Interruptions).

^{†[]} Transliteration in Arabic .Script.

^{*}Expunged as ordered by the Chair.